मैरी-जो ने क्या साझा किया

जेनिस उड्री

मैरी-जो ने क्या साझा किया

जेनिस उड्री

मैरी-जो ने कभी भी स्कूल में कुछ भी साझा नहीं किया. वो अन्य बच्चों के सामने खड़े होने में और कुछ भी बताने में बहुत शर्माती थी. वो सोचती थी कि बाकी बच्चे उसकी बात नहीं सुनेंगे.

लगभग हर दिन उसकी शिक्षिका मिस विलेट कहती थीं, "सुनो मैरी-जो, क्या आज सुबह तुम्हारे पास हमारे साथ साझा करने के लिए कुछ है?"

मैरी-जो ने हमेशा "न" में अपना सिर हिलाती थी और फर्श की ओर देखती थी.

"तुम कभी कुछ भी साझा क्यों नहीं करती हो?" उसके दोस्त लॉरी ने पूछा.

"किसी दिन मैं साझा करूंगी," मैरी-जो ने कहा. "मैं अभी कुछ भी साझा नहीं करना चाहती हूँ."
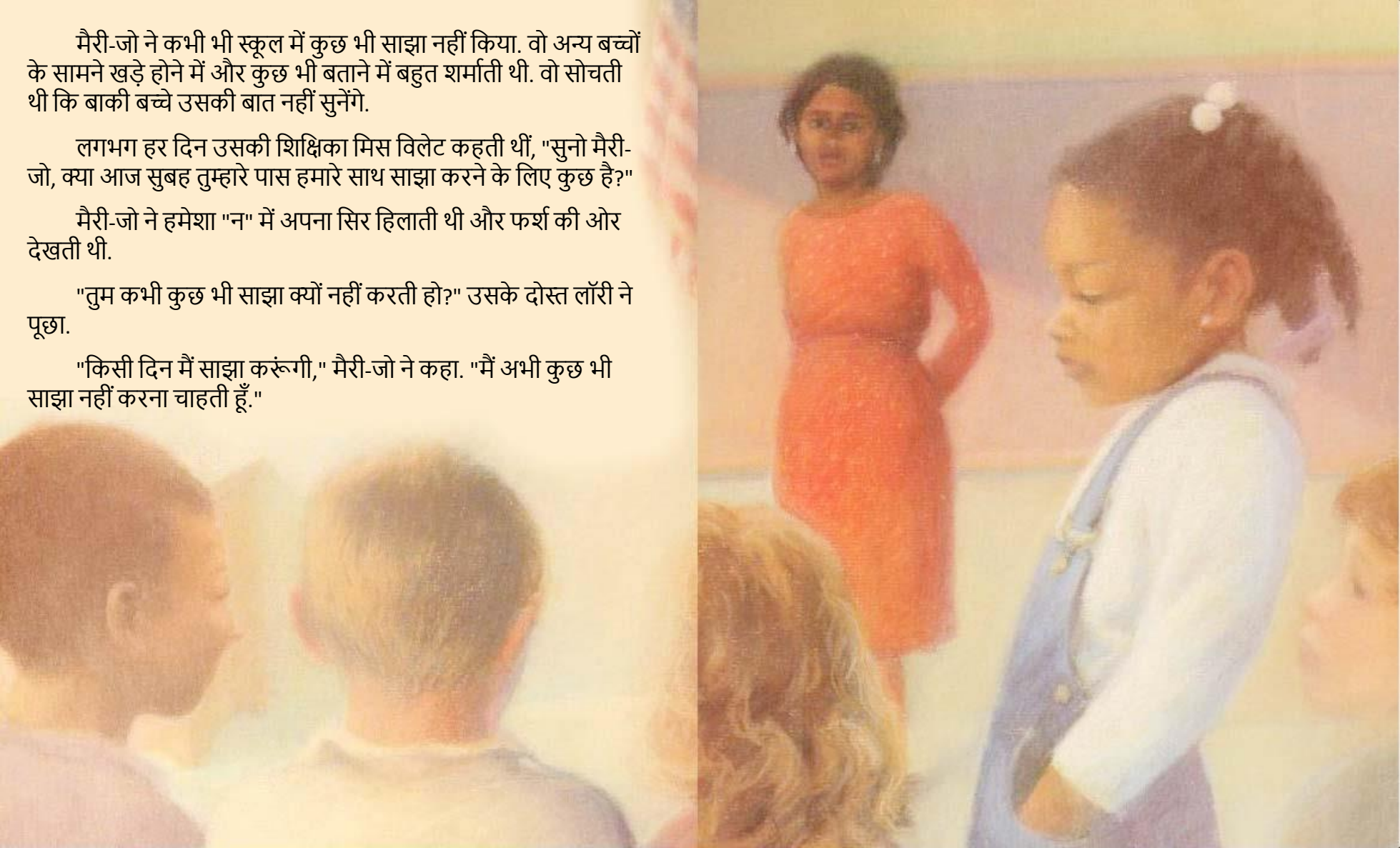
पर सच में मैरी-जो साझा करना चाहती थी, लेकिन वो कोशिश करने से डरती थी.

हर शाम जब वो घर आते तो मैरी-जो के पिता उससे पूछते थे, "क्या तुमने आज स्कूल में कुछ साझा किया, मैरी-जो?"

"अभी नहीं," उसका हमेशा वही जवाब होता था.

एक सुबह तेज बारिश हो रही थी.

"आज मैं अपना नया छाता साझा करूंगी," मैरी-जो ने सोचा जब उसने खिड़की के बारिश को गिरते हुए देखा, आज वो इंतजार नहीं कर सकती थी. उसने नाश्ता करके जल्दी-जल्दी अपनी ड्रेस पहनी.

अंत में, उसने नया गुलाबी रेनकोट पहना और अपनी गुलाबी छतरी लेकर वो स्कूल गई. यह मैरी-जो की अपनी पहली छतरी थी. उससे पहले, जब कभी बारिश होती थी, तो मैरी-जो अपनी बहन की छतरी के नीचे ही चली जाती थी.

मैरी-जो ने उस छतरी को खुद स्टोर में चुना था. उसके हैंडल पर एक चेन और लेबल था. मैरी-जो ने लेबल पर अपना नाम, स्कूल का नाम और "कमरा 101" खुद लिखा था.
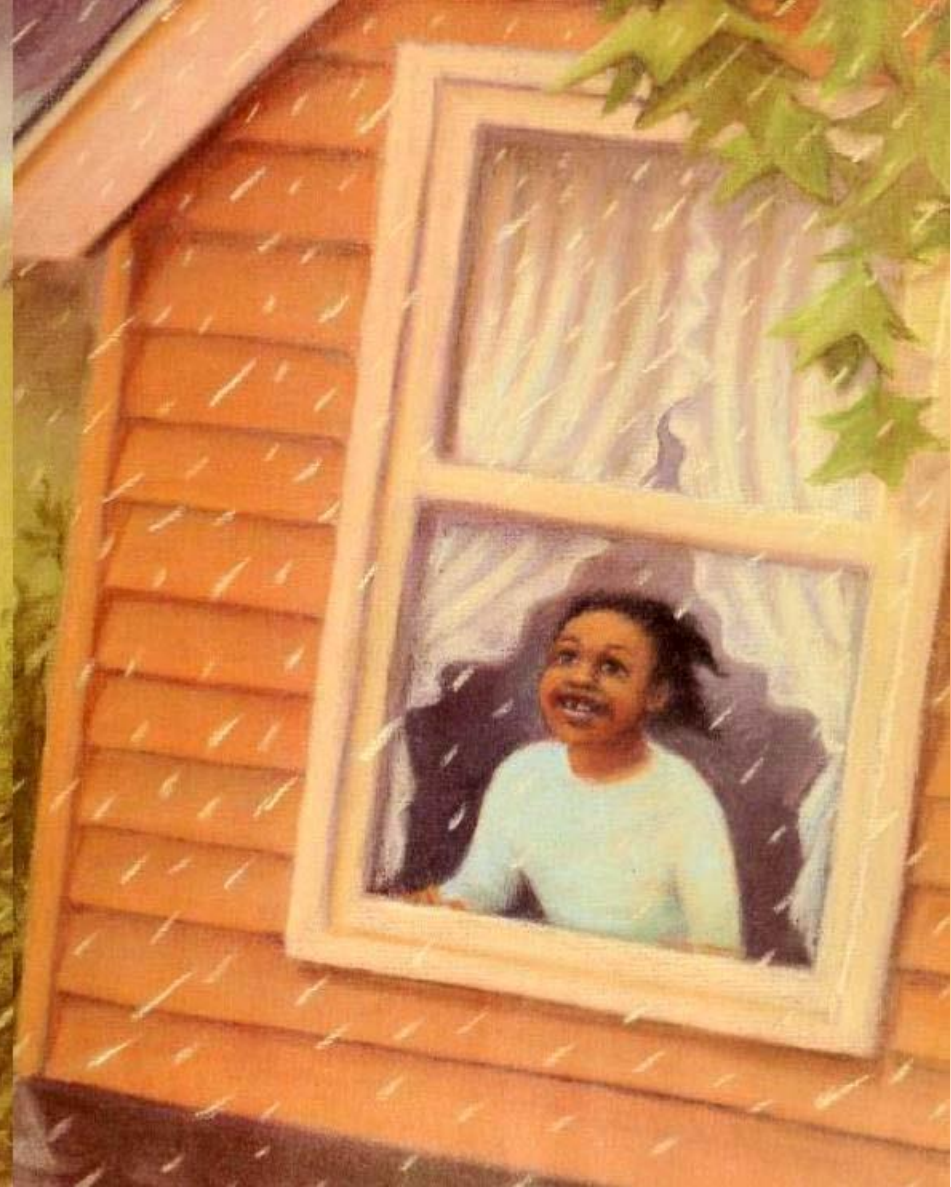
कार से उतरने के बाद वो भारी बारिश में अपना छाता पकड़कर पहाड़ी पर चढ़ गई. दरवाजे पर उसने अपना छाता हिलाया, और फिर पानी टपकते हुए उसे अंदर ले गई. जब वो अपने कमरे के दरवाजे पर पहुंची तो उसने देखा कि हॉल में छतरियों की एक पूरी कतार सूख रही थी!

वहां सभी आकार और रंगों की छतरियां थीं. कुछ अन्य छतरियों पर भी मैरी-जो जैसे ही हैंडल और लेबल थे.

"लगता है मेरी क्लास में लगभग सभी के पास एक छाता है," मैरी-जो ने सोचा. "फिर छतरी साझा करने का कोई मतलब नहीं बनता है."

इसलिए जब मिस विलेट ने कहा. "देखो मैरी-जो, क्या तुम्हारे पास आज सुबह हमारे साथ साझा करने के लिए कुछ है?" इस बार भी मैरी-जो ने "न" में सिर हिलाया और फर्श की ओर देखा.
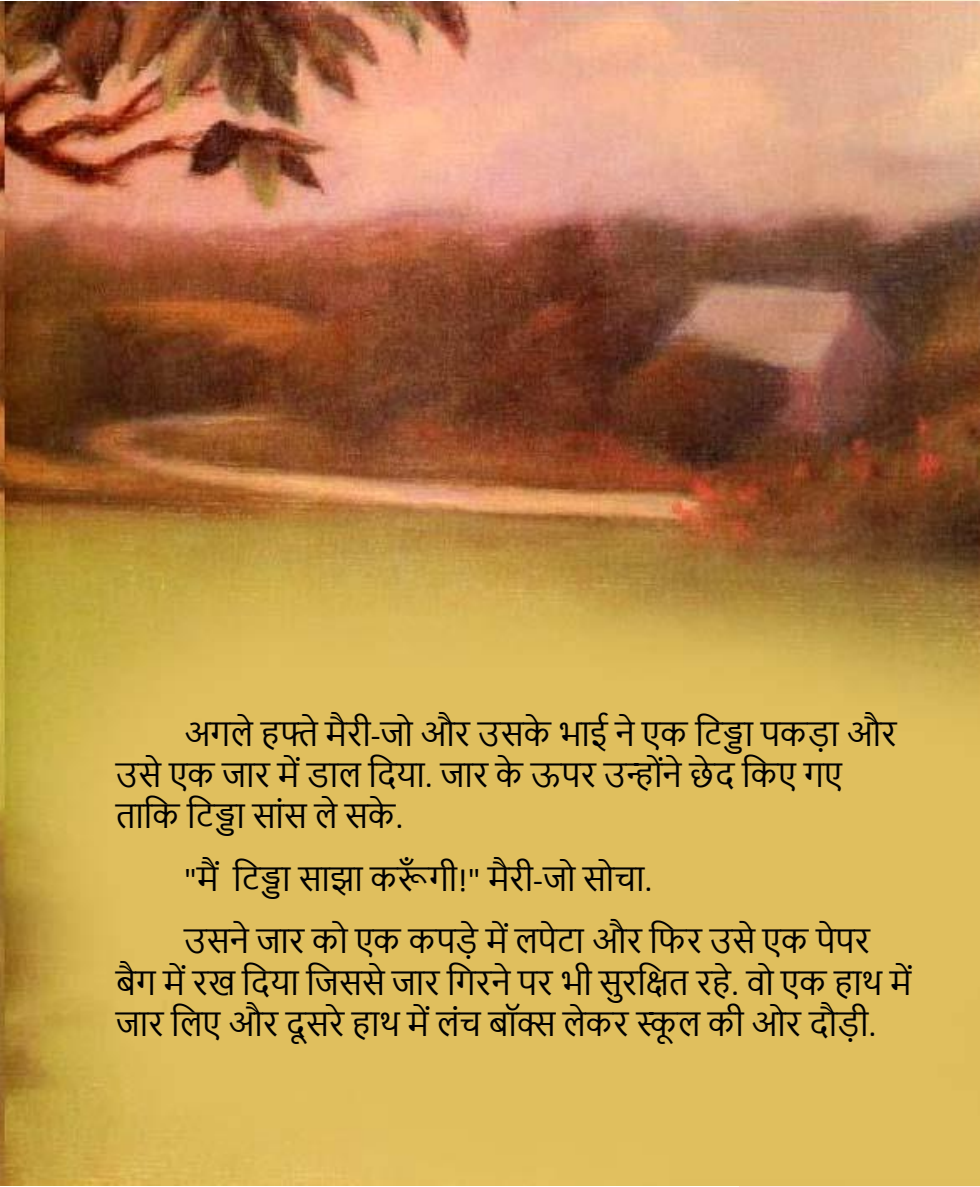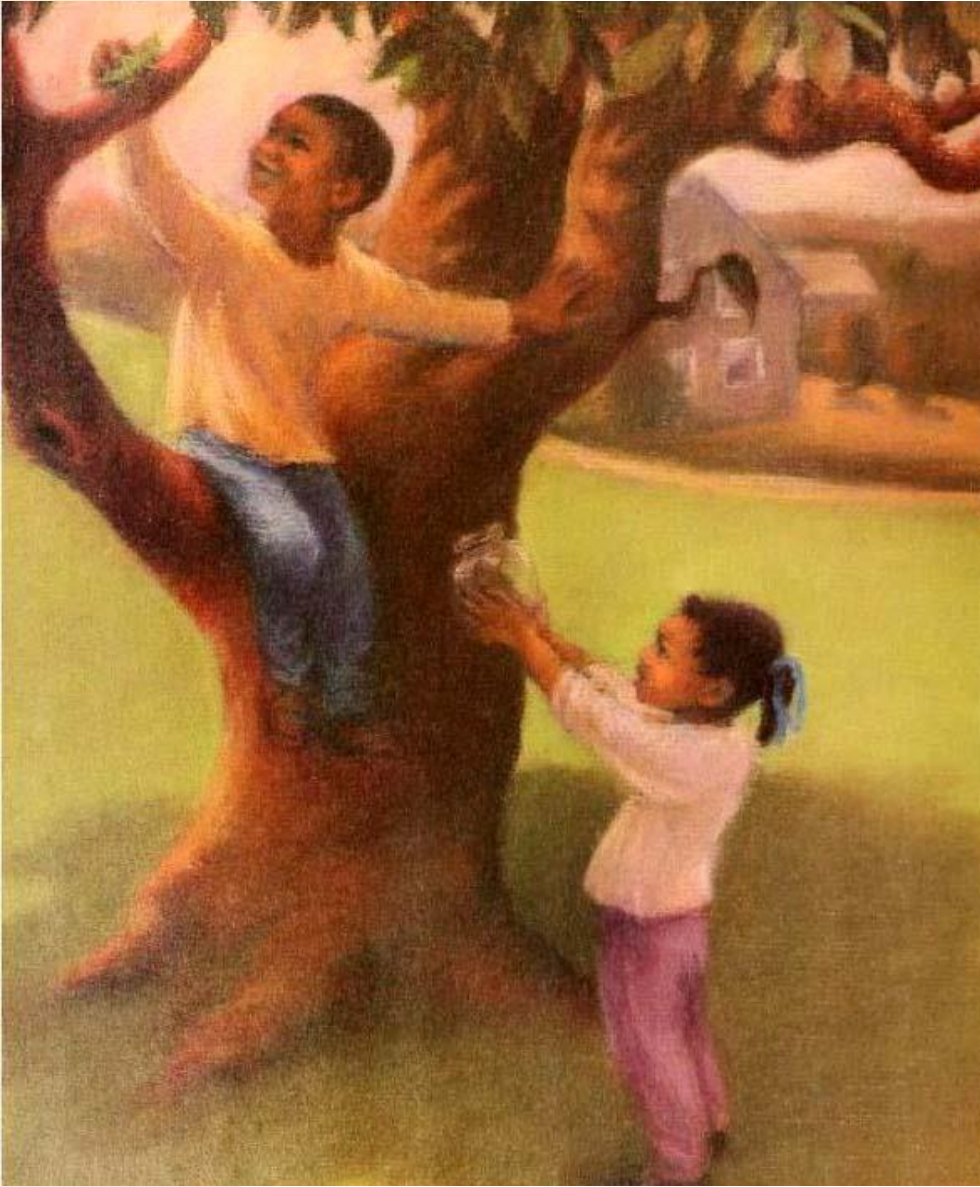
अगले हफ्ते मैरी-जो और उसके भाई ने एक टिड्डा पकड़ा और उसे एक जार में डाल दिया. जार के ऊपर उन्होंने छेद किए गए ताकि टिड्डा सांस ले सके.

"मैं टिड्डा साझा करूँगी!" मैरी-जो सोचा.

उसने जार को एक कपड़े में लपेटा और फिर उसे एक पेपर बैग में रख दिया जिससे जार गिरने पर भी सुरक्षित रहे. वो एक हाथ में जार लिए और दूसरे हाथ में लंच बॉक्स लेकर स्कूल की ओर दौड़ी.
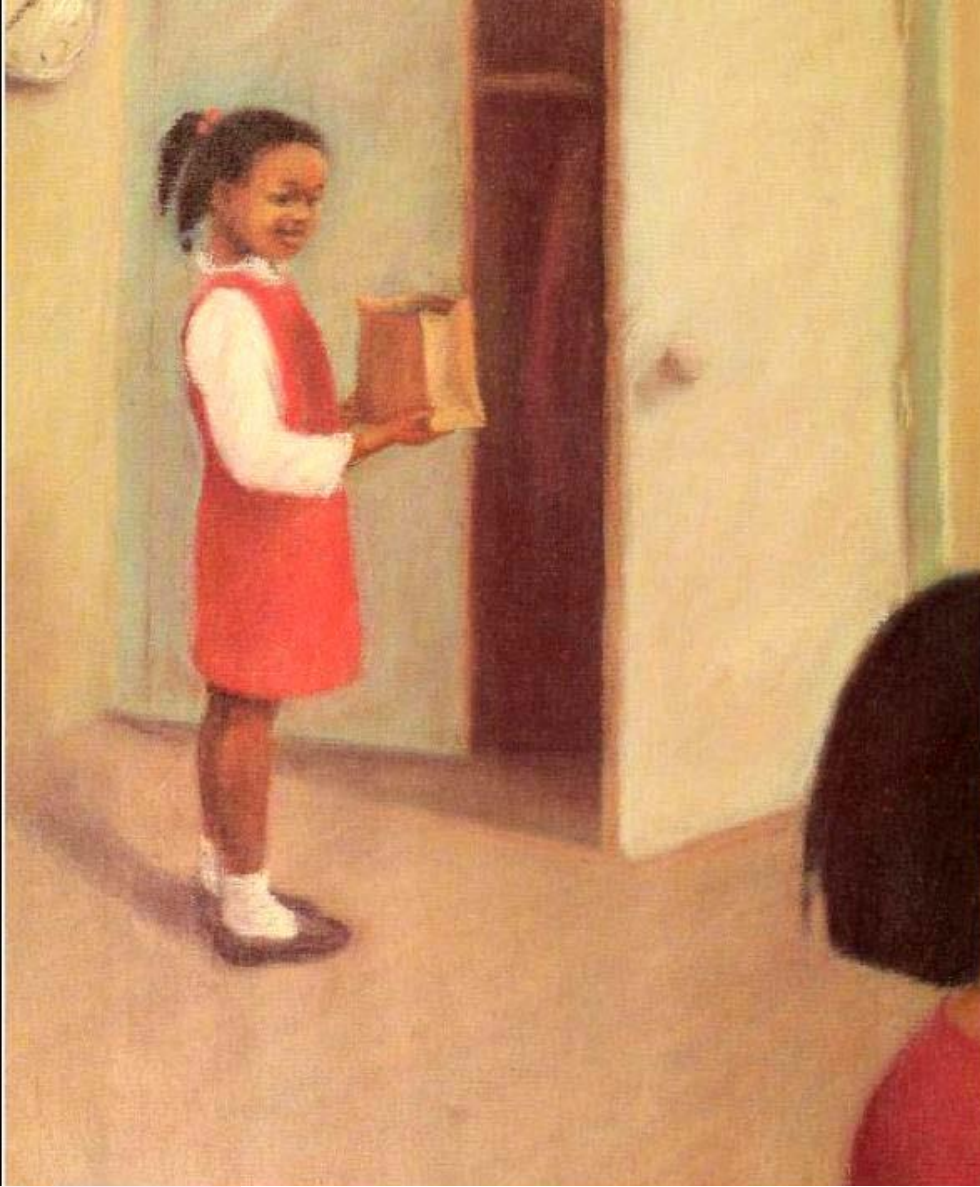
जब वो अपने कमरे के दरवाजे पर आई, तो जिमी नाम के एक लड़के को कई बच्चे घेरे खड़े थे. जिमी एक जार में कुछ लाया था और सभी बच्चे उसे देख रहे थे. मैरी-जो ने अपना लंच बॉक्स और बैग ध्यान से शेल्फ पर रख दिया. उसने अपना स्वेटर भी लटकाया. फिर वो देखने गई कि दूसरे बच्चे क्या देख रहे थे.
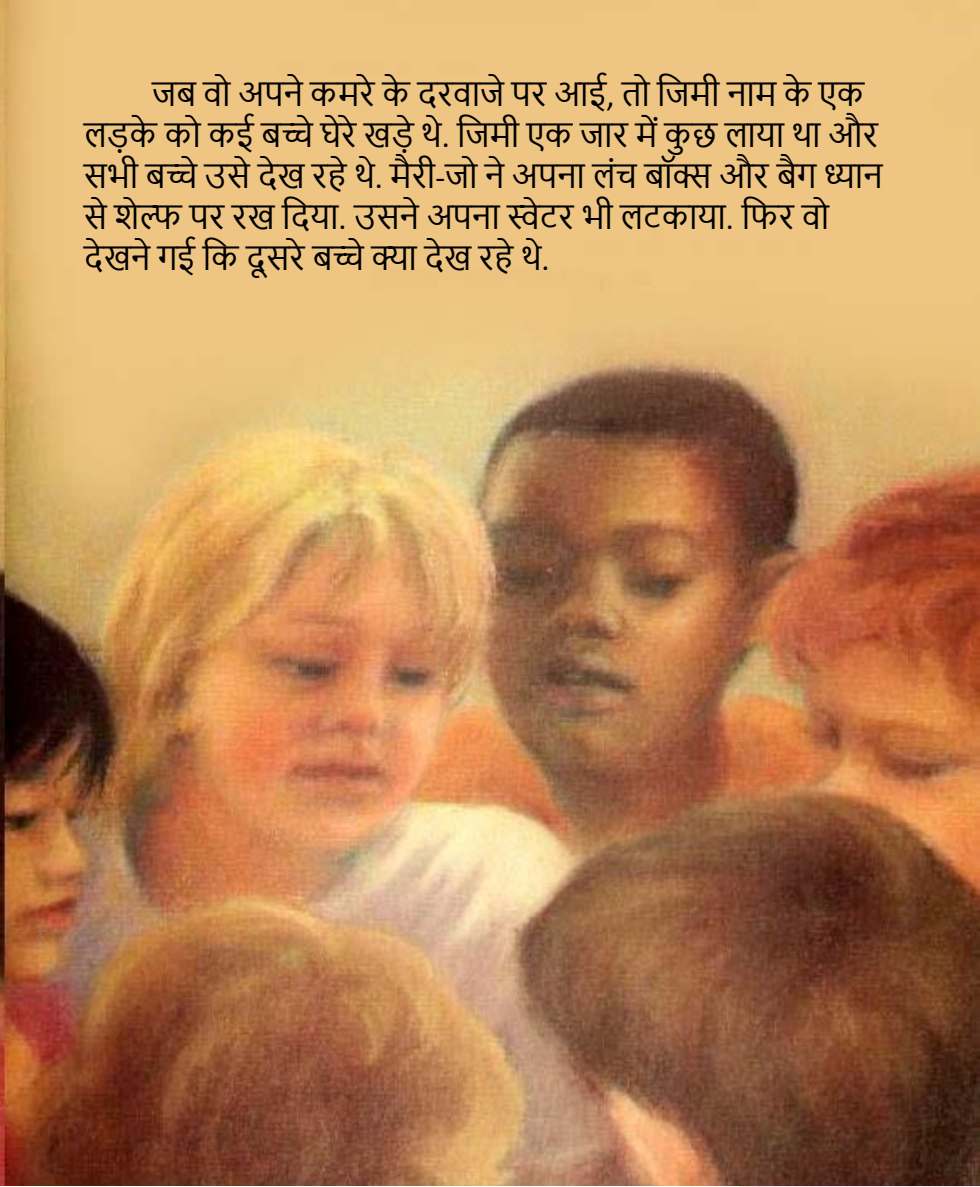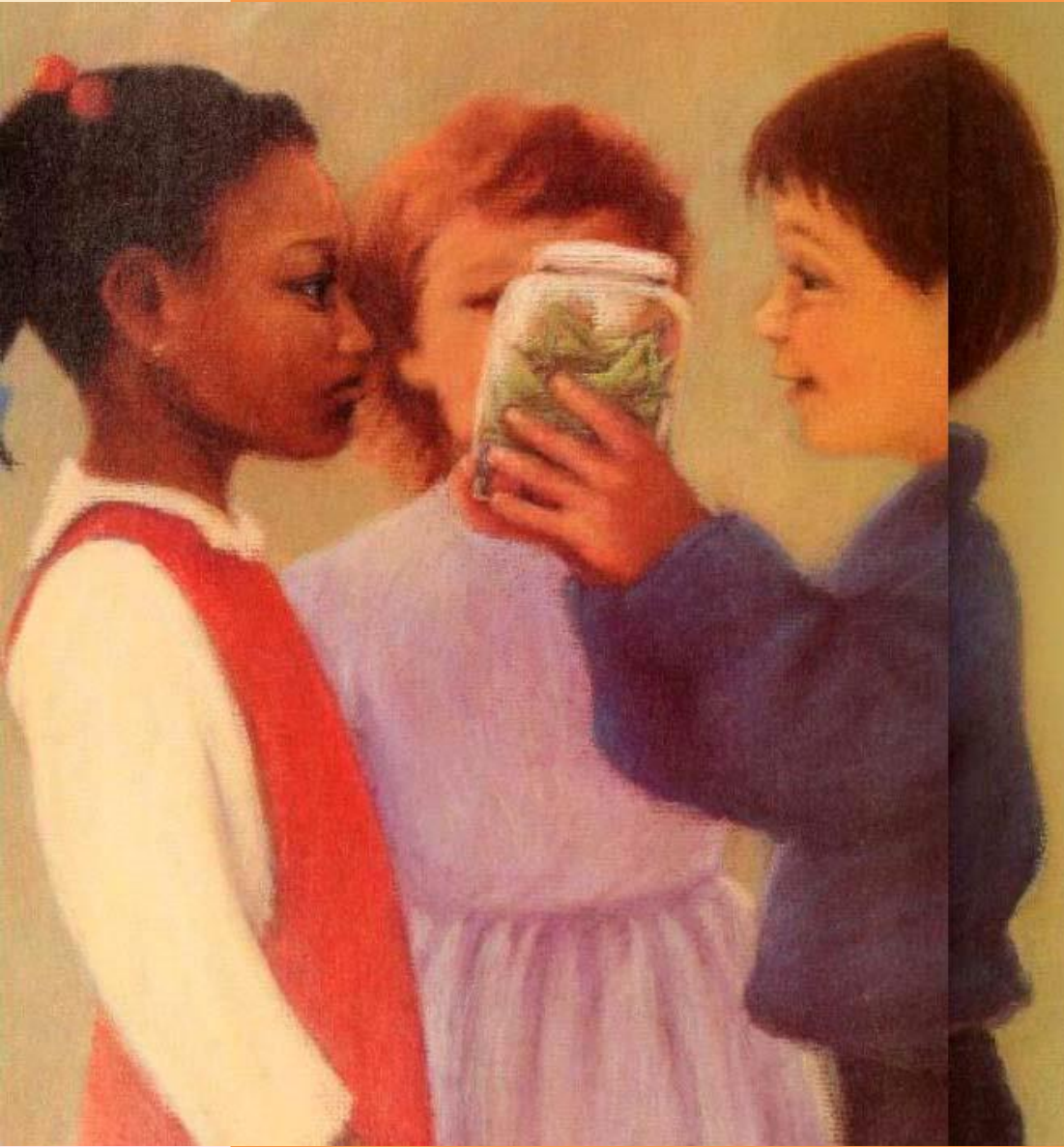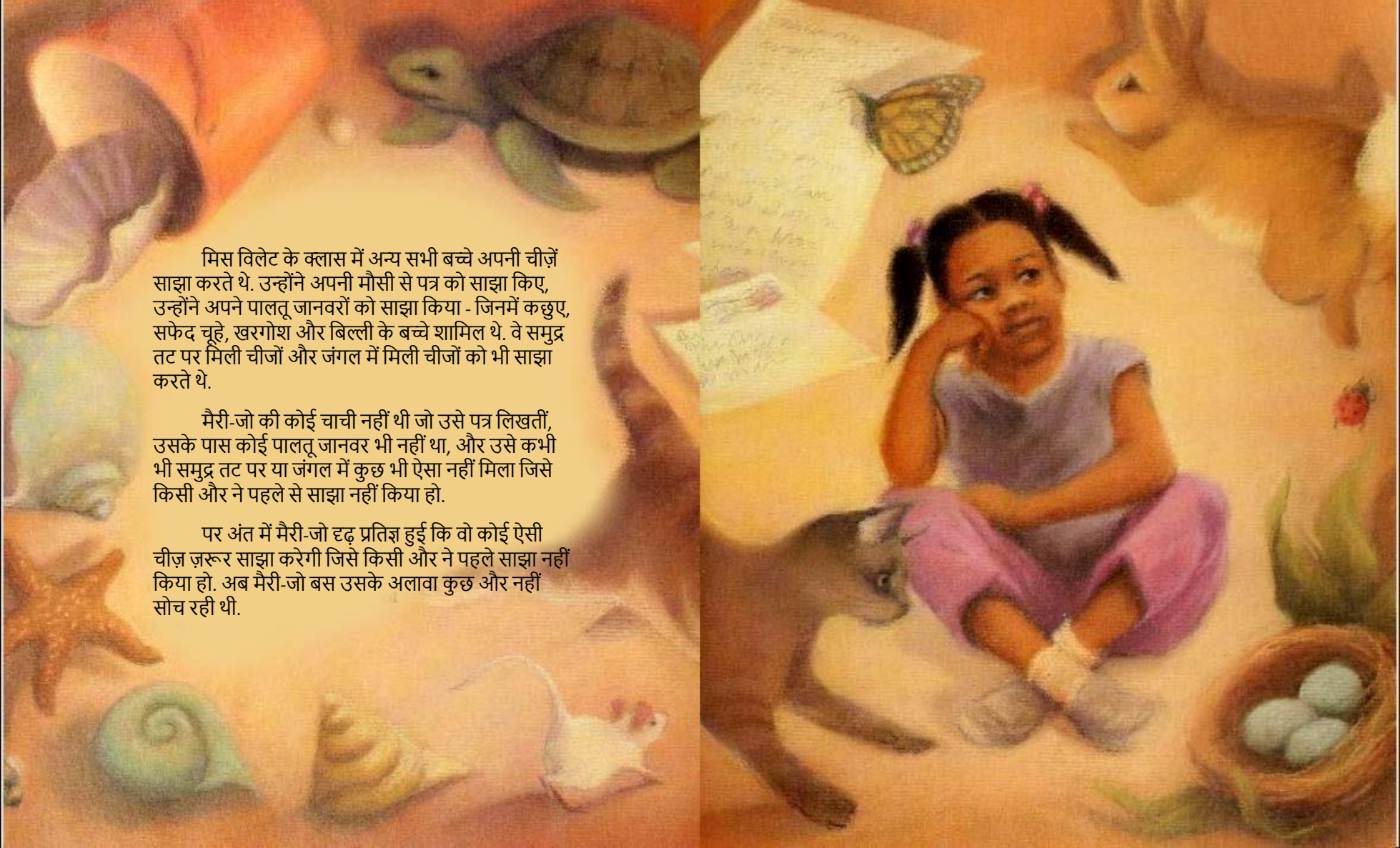
"जिमी के जार में छह टिड्डे हैं!" लॉरी ने कहा. "उसने उन सभी को खुद पकड़ा है."

मैरी-जो ने अपने एक टिड्डे के बारे में सोचा - और कैसे उसके भाई ने उसे पकड़ने में मदद की.

"मुझे लगता है कि मैं अपने टिड्डे को साझा नहीं करूंगी," मैरी-जो ने सोचा.

तो जब मिस विलेट ने कहा, "देखो मैरी-जो, क्या तुम्हारे पास आज सुबह हमारे साथ साझा करने के लिए कुछ है?" तो मैरी-जो ने "न" में अपना सिर हिलाया और फर्श की ओर देखा.

मिस विलेट के क्लास में अन्य सभी बच्चे अपनी चीज़ें साझा करते थे. उन्होंने अपनी मौसी से पत्र को साझा किए, उन्होंने अपने पालतू जानवरों को साझा किया - जिनमें कछुए, सफेद चूहे, खरगोश और बिल्ली के बच्चे शामिल थे. वे समुद्र तट पर मिली चीजों और जंगल में मिली चीजों को भी साझा करते थे.

मैरी-जो की कोई चाची नहीं थी जो उसे पत्र लिखतीं, उसके पास कोई पालतू जानवर भी नहीं था, और उसे कभी भी समुद्र तट पर या जंगल में कुछ भी ऐसा नहीं मिला जिसे किसी और ने पहले से साझा नहीं किया हो.

पर अंत में मैरी-जो दृढ़ प्रतिज्ञ हुई कि वो कोई ऐसी चीज़ ज़रूर साझा करेगी जिसे किसी और ने पहले साझा नहीं किया हो. अब मैरी-जो बस उसके अलावा कुछ और नहीं सोच रही थी.

एक रात उसने सपना में देखा कि वो अपने नए पालतू हाथी को साझा करना चाहती थी. लेकिन जब वो हाथी को मिस विलेट के कमरे में लेकर गई, तो वो इतना बड़ा था कि वो जोर से धक्का देने के बावजूद दरवाजे में घुस तक नहीं पाया! फिर वो अपने सपने में - दुखी होकर अपने नए पालतू जानवर को कहीं दूर ले गई.
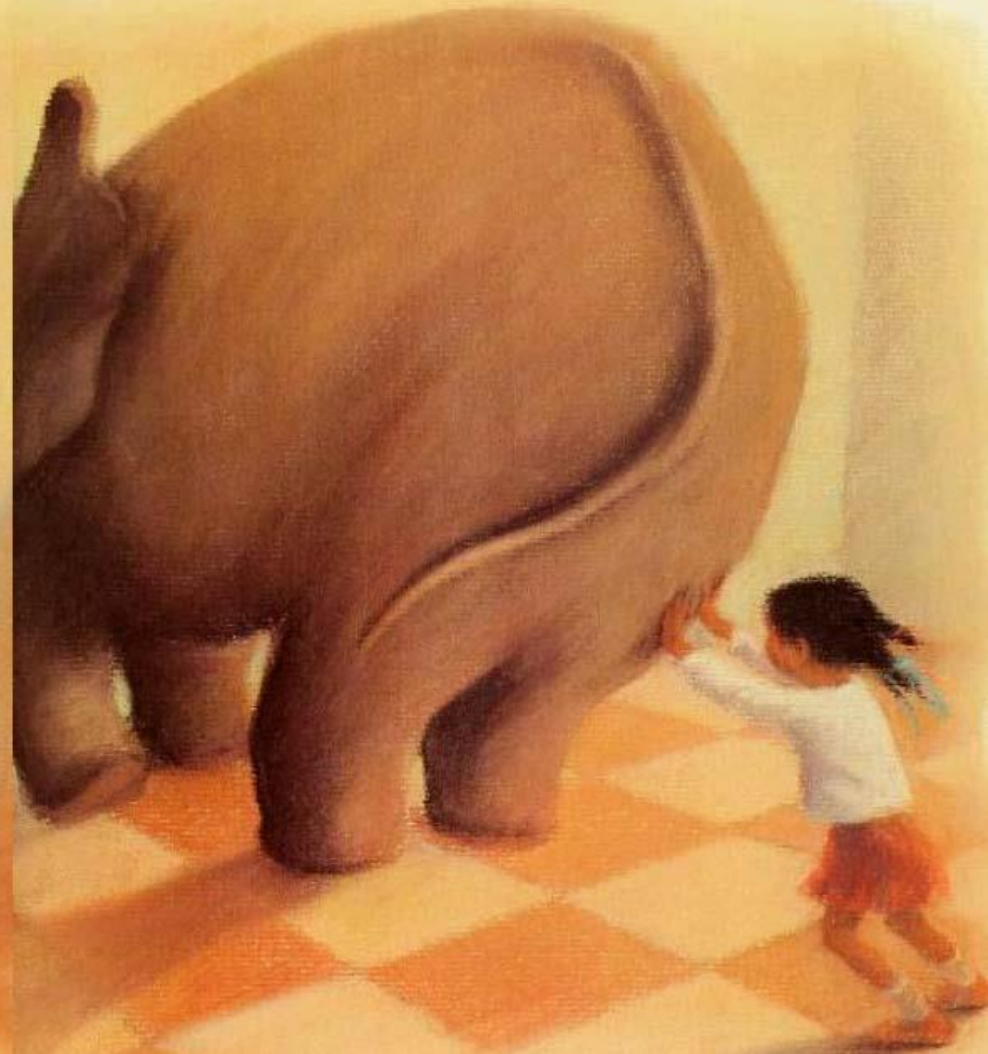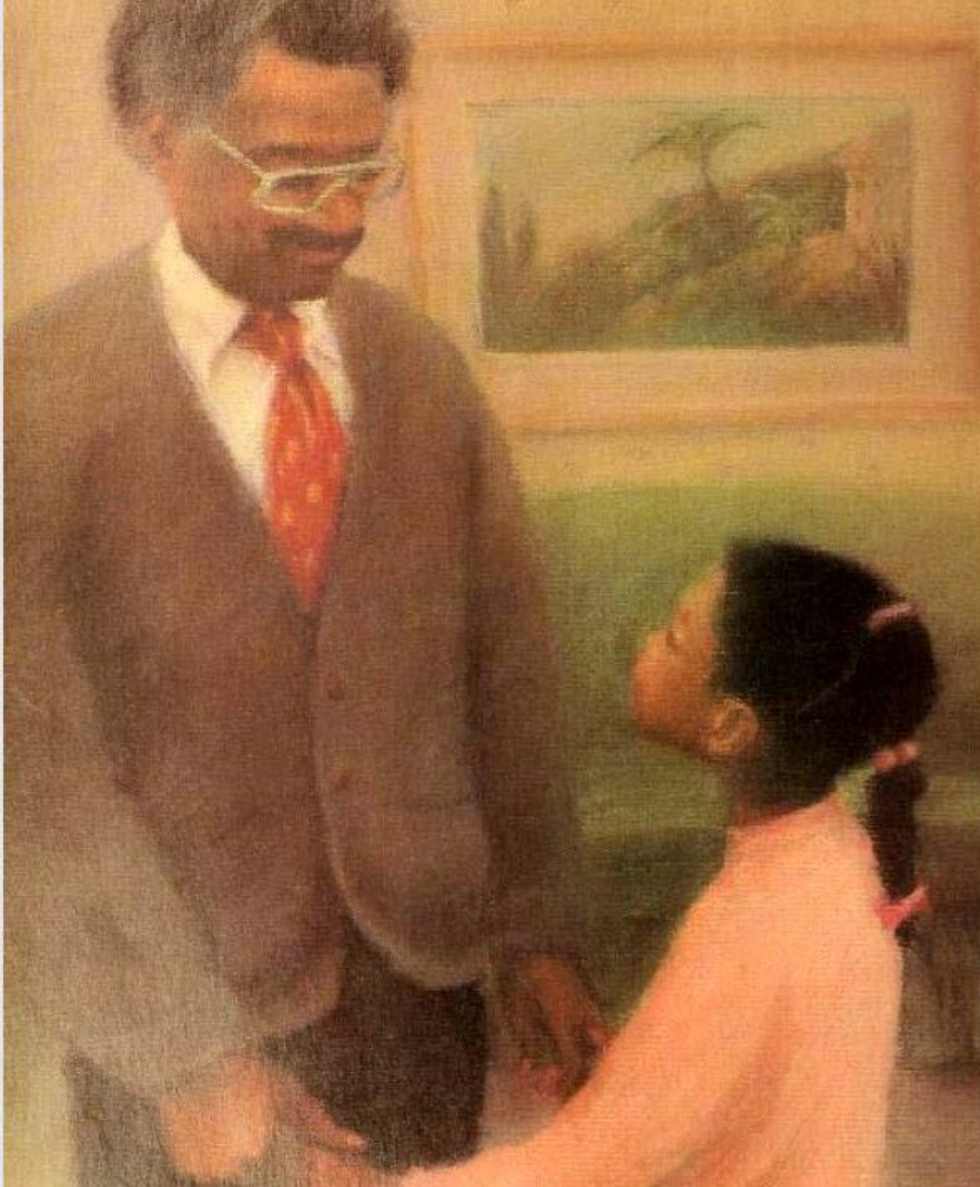
"मैं क्या साझा करूं?" उसने बार-बार सोचा.

उसके पिता घर आ गए. "क्या तुमने आज स्कूल में कुछ साझा किया, मैरी-जो?" उन्होंने हमेशा की तरह अपनी बेटी से पूछा.

और हमेशा की तरह. मैरी-जो ने कहा, "अभी नहीं."

फिर, अचानक, मैरी-जो ने कुछ सोचा!

"क्या आप कल कुछ देर के लिए मेरे साथ स्कूल चल सकते हो?" उसने पिता से पूछा.

"कल? हाँ," उसके पिता ने कहा. "ग्यारह बजे तक मेरी कोई क्लास नहीं है." मैरी-जो के पिता स्थानीय हाई स्कूल में टीचर थे.

"अच्छा!" मैरी-जो ने कहा. "तब आप मेरे साथ स्कूल आ सकते हैं और मुझे कुछ अपने साथियों के साथ कुछ साझा करते हुए सुन सकते हैं!"

"ठीक है," उसके पिता ने कहा, "मैं वहाँ चलूँगा. अच्छा यह बताओ कि तुम क्या साझा करने जा रही हो?"

"आप ज़रा रुकें और देखें," मैरी-जो ने कहा.

अगली सुबह जैसे ही मैरी-जो और उसके पिता स्कूल गए, मैरी-जो ने अपने पिता को मिस विलेट से मिलवाया.

मिस विलेट ने कहा कि उन्हें अपनी कक्षा में मैरी-जो के पिता के आने की बहुत खुशी हुई.

"मेरे पास आज आप सब से साझा करने के लिए कुछ है," मैरी-जो ने कहा.

"ठीक है" मिस विलेट ने कहा. "देखो अब घंटी बज रही है."

मैरी-जो के पिता अतिथि कुर्सी पर खिड़की के पास बैठ गए. फिर बच्चों ने झंडे को सलामी दी और मिस विलेट ने हाज़िरी ली.
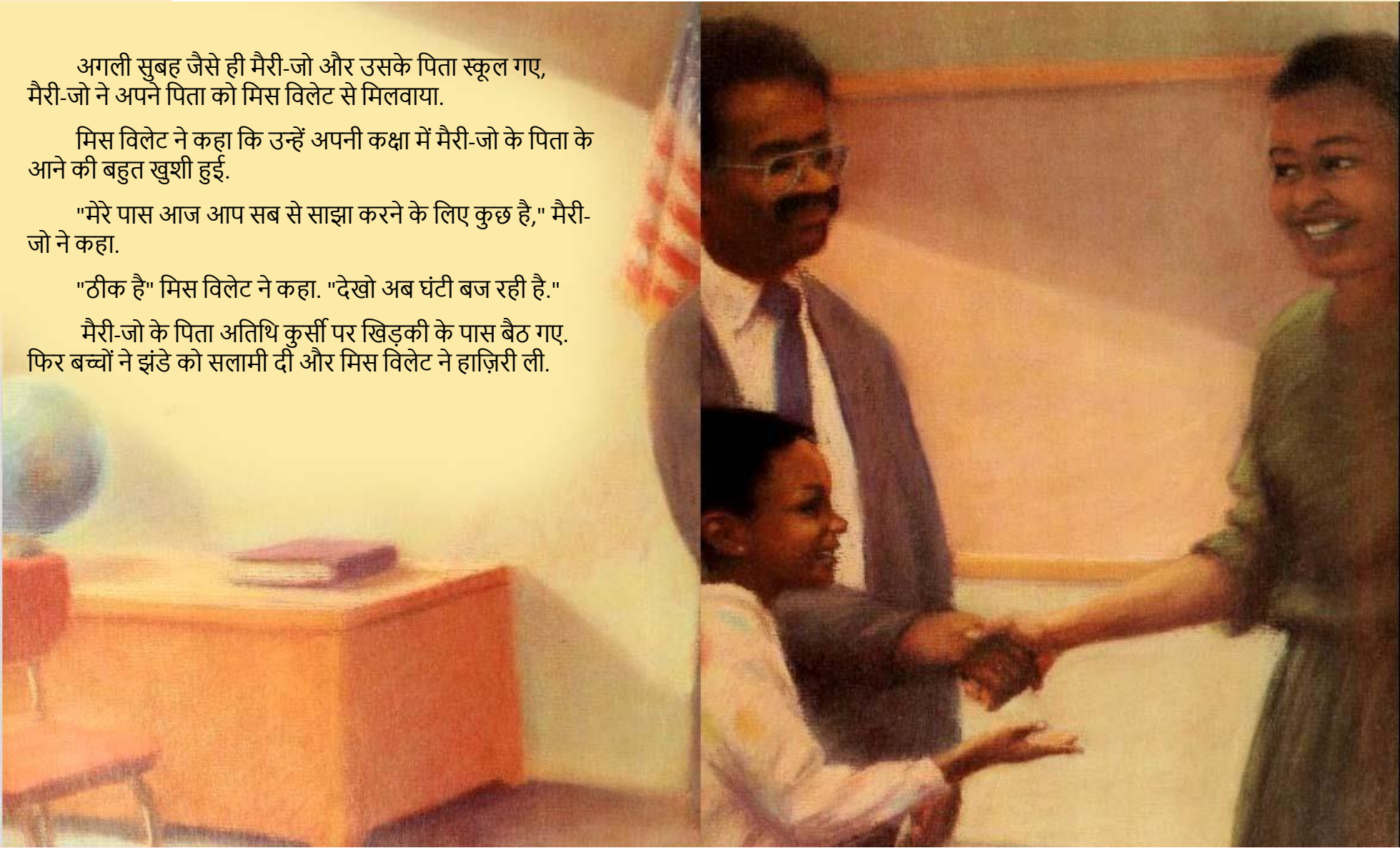
फिर समय आया चीज़ें साझा करने का. जैसे ही मिस विलेट ने पूछा कि क्या किसी के पास साझा करने के लिए कुछ है, मैरी-जो ने अपना हाथ उठाया.

"मैरी-जो," मिस विलेट ने कहा. "आज तुम सबसे पहले हमारे साथ कुछ साझा कर सकती हो."

मैरी-जो उठी और पहली बार क्लास के सामने आकर खड़ी हुई.

"आज सुबह मैं अपने पिता को साझा करने के लिए लाई हूँ!" उसने कहा. यह कहकर वो खुद थोड़ा हंस पड़ी. फिर सभी बच्चे मुस्कुराए और वे मैरी-जो के पिता की ओर देखने लगे.

उन्हें इससे ज़रा भी ऐतराज नहीं हुआ. वो खड़े रहे. उन्होंने अपने मैत्रीपूर्ण तरीके से अपना सिर थोड़ा झुकाया, और साझा होने की प्रतीक्षा करने लगे.

"यह मेरे पिता, मिस्टर विलियम वुड हैं. वह छत्तीस साल के हैं, और उनकी एक पत्नी और तीन बच्चे हैं. मैं उनकी सबसे छोटा बच्ची हूं," मैरी-जो ने कहा.
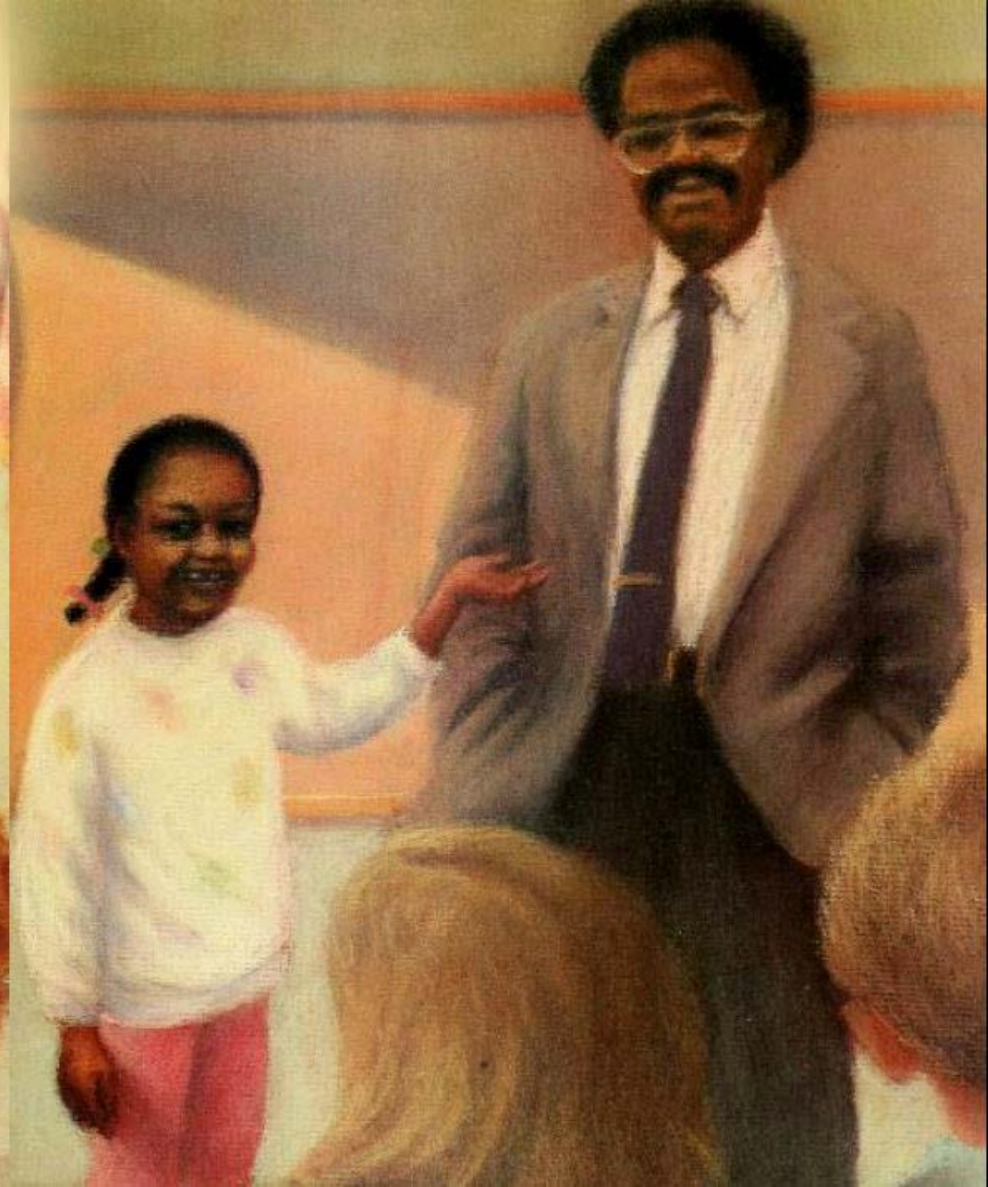
जिमी ने हाथ उठाया. "मेरे पिता का जन्म मोंटाना में हुआ था," जिमी ने कहा. "तुम्हारे पिता का जन्म कहाँ हुआ था?"

"मेरे पिता का जन्म कैलिफोर्निया में हुआ था," मैरी-जो ने कहा. "वो हाई स्कूल में अंग्रेजी पढ़ाते हैं. उन्हें पढ़ाना बहुत पसंद है, और वह काफी कुछ लिखते भी हैं. वो एक अच्छे तैराक हैं और नाव चलाना भी जानते हैं. उन्हें मछलियां पकड़ना और लंबी पैदल यात्रा करना पसंद है."

"मेरे पिता को भी वो पसंद है!" लॉरी ने कहा.

"मेरे पिता घर बनाते हैं," एक दूसरे बच्चे ने कहा.

"मेरे पिता पूरे देश में यात्रा करते हैं," तीसरे ने कहा.

ऐसा लग रहा था कि बाकी बच्चे भी अपने पिता को साझा करना चाहते थे.

"बच्चों," मिस विलेट ने कहा, "आज मैरी-जो अपने पिता को साझा कर रही है. कृपया थोड़ा शांत रहो."

"मेरे पिताजी बड़े होने से पहले, एक छोटे लड़के थे," मैरी-जो ने कहा. फिर मैरी-जो का चेहरा लाल हो गया क्योंकि उसे वो मूर्खतापूर्ण लगा.

सब बच्चे हँस पड़े. लेकिन मैरी-जो अपनी बात कहती रही.

"एक समय वो भी बहुत शैतान थे," मैरी-जो ने कहा.

"उन्होंने क्या किया?" एक लड़के ने पूछा.

"एक बार उन्होंने अपने छोटे भाई को घर के अंदर बंद करके बाहर से ताला लगा दिया ...

. . . और एक बार दोपहर की क्लब पार्टी में उनकी माँ ने जो केक बनाए थे वो उन सभी को खा गए," मैरी-जो ने कहा.

"और अब मेरे पिता कुछ शब्द कहेंगे."

मिस्टर वुड मुस्कुराए और उन्होंने छोटा सा भाषण दिया कि उन्हें मिस विलेट्स के क्लास में आने में कितना मज़ा आया था.

बच्चों ने ताली बजाई, और मैरी-जो और उसके पिता बैठ गए.

मैरी-जो को बहुत अच्छा लगा. आखिर में उसने कुछ ऐसा शेयर किया था जिसके बारे में किसी और ने सोचा भी नहीं था.

समाप्त